सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 28 अप्रैल 2022

"देश हमेशा शांति, एकता और सद्भावना से ही चलता है। सबको एक साथ लेकर चलना ही हमारी सभ्यता और संस्कृति है।"

– मा. प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी

मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार

हमारे आयाम

- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- संस्कार
- समरसता
- स्वावलंबन

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल से मिली फाउण्डेशन टीम

सूर्य भारती द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पुस्तक **एक कक्षा-एक किताब** छत्तीसगढ़ के राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके जी को सूर्या फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री कामेश्वर जी ने पुस्तक की विशेषताओं की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ के क्षेत्र प्रमुख श्री सनत टंडन ने सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा छत्तीसगढ़ में चलायी जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रदेश में जहां एक ओर नि:शुल्क शिक्षा के लिए सूर्या संस्कार केंद्र वहीं दूसरी ओर सूर्या यूथ क्लब चलाकर युवाओं को खेलकूद में आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही गाँव की माताओं-बहनों को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर सिलाई प्रशिक्षण, हथकरघा के तहत कपड़ा बुनाई प्रशिक्षण कराकर स्वरोजगार देने का काम हो रहा है।

गाँव में सेवाभावी समितियों का निर्माणकर ग्राम विकास में उनकी मदद लेना, गाँव में स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति अभियान चलाना, किसानों को कम लागत में खेती करने प्रशिक्षण देना, जल संरक्षण तथा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में अनेक कार्य हो रहे हैं। इन सारे क्रियाकलापों की जानकारी होने पर राज्यपाल महोदया ने सूर्या फाउण्डेशन के सेवा कार्य की प्रसंशा करने के साथ ही साथ सूर्या फाउण्डेशन के कार्यक्रमो में सम्मलित होने की इच्छा भी प्रकट की।

मिनी पीडीसी समापन : बीदर (कर्नाटक)

सूर्या फाउण्डेशन, मातृभूमि सेवा प्रतिष्ठान और ग्रामदाती सेवा प्रतिष्ठान द्वारा कर्नाटक प्रदेश के बीदर जिले में आयोजित पंद्रह दिवसीय समर कैंप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि वाइस चेयरमैन श्री अनंत बिरादार जी ने कहा कि आज की पीढ़ी का मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर, वीडियो गेम, इंटरनेट आदि जैसे मनोरंजन में लगे होने के कारण किताबें पढ़ने का अभ्यास कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में इस तरह के शिविर उपयोगी होंगे। ताकि माता-पिता को भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के बारे में शिक्षित किया जा सके।

कर्नाटक प्रदेश के क्षेत्र प्रमुख गुरुनाथ जी ने बताया कि बीदर जिले में इस वर्ष कुल 6 कैंप नि:शुल्क लगाए गए। इससे बच्चों की बौद्धिक और शारीरिक गुणवत्ता में सुधार होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अंगूरम ग्राम पंचायत के अध्यक्ष- श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि इस समर कैंप से बच्चे सक्रिय हैं। इस प्रकार, निश्चित रूप से, बच्चे विविधता के प्रति आकर्षित हुए हैं, इनमें एकता की भावना भी बढ़ी है। शिविर में विजेता लड़कों और लड़कियों को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार, ग्राम पंचायत अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी द्वारा शैक्षिक सामग्री के रूप में वितरित की गयी।

पोस्ट ऑफिस की योजनाओं की जानकारी

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत कई आयामों को लेकर गाँव को स्वावलंबी व समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य करता है। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले इस हेतु समय-समय पर जन-जागरुकता का कार्य भी करता है। इसी क्रम में आदर्श गाँव गोल्लापुरम में पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों के माध्यम से पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डाकघर अधीक्षक महोदया संध्या जी, गोलापुरम शिवलाई अध्यक्ष सी.आर. चंद्रपाल, एकल खिड़की अध्यक्ष रंगनाथ, कल्याण सहायक वालिसब, सरपंच शिवकुमार जी उपस्थित रहे। संध्या जी ने बताया की पोस्ट ऑफिस में डाक घर बचत खाता होता है, जो बैंकों की तरह होता है। डाकघर में बचत खाता खोलने के लिए, कम से कम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। अधिकतम जमा की कोई सीमा नहीं है, लेकिन रकम 10 के गुणांक में होनी चाहिए।

आपके खाते में हमेशा कम से कम 500 रुपए का बैलेंस मौजूद रहना चाहिए। किसी साल में औसत बैलेंस 500 रुपए से कम होने पर 100 रुपए पेनाल्टी के रूप में काटे जाएंगे। बैलेंस शून्य (0) हो जाने पर खाता अपने आप बंद हो जाएगा। बैंकों के सेविंग अकाउंट की तरह, डाकघर बचत खाता के साथ भी, आपको एटीएम कार्ड मिलता है, चेकबुक और नेट बैंकिंग की सुविधा भी मिलती है।

एक साल में 10 चेक नि:शुल्क इस्तेमाल करने की छूट है। इससे ज्यादा होने पर, हर चेक के लिए 2 रुपए प्रति चेक शुल्क देना होगा। साथ ही मासिक आय योजना, सामान्य भविष्य निधि, सुकन्या समृद्धि खाता इत्यादि विषयों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में गांव से 50 लोग उपस्थित रहे।

गीत - चन्दन है इस देश की माटी...

चंदन है इस देश की माटी, तपोभूमि हर ग्राम है
हर बाला देवी की प्रतिमा, बच्चा बच्चा राम है॥
हर शरीर मंदिर सा पावन, हर मानव उपकारी है
जहाँ सिंह बन गये खिलौने, गाय जहाँ माँ प्यारी है।
जहाँ सवेरा शंख बजाता, लोरी गाती शाम है॥1॥
हर बाला . . . . .
जहाँ कर्म से भाग्य बदलते, श्रम निष्ठा कल्याणी है
त्याग और तप की गाथायें, गाती कवि की वाणी है।
ज्ञान जहाँ का गंगा जल सा, निर्मल है अविराम है॥2॥
हर बाला . . . . .
इसके सैनिक समर भूमि में, गाया करते गीता हैं,
जहाँ खेत में हल के नीचे, खेला करती सीता हैं।
जीवन का आदर्श यहाँ पर, परमेश्वर का धाम है॥3॥
हर बाला . . . . .

– – –

छत्तीसगढ़, राजनांदगांव में पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती फूलबासन बाई यादव जी के निजी आवास पर सूर्या फाउण्डेशन के ट्रस्टी आ. कामेश्वर जी व आदर्श गाँव योजना छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं ने भेंटकर उनका सम्मान किया साथ ही उन्हें आदर्श गाँव पेंड्री में हुए महिलाओं का सम्मान समारोह, SHG स्वाबलंबन, स्वरोजगार, महिला कमांडो आदि प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। पेंड्री गाँव में आगे होने वाले कार्यक्रमों के लिए अपना अमूल्य समय देने के लिए भी आग्रह किया। श्रीमती फूलबासन बाई यादव जी, एक सामाजिक कार्यकर्ती और गैर सरकारी संगठन- माँ बम्लेश्वरी जनहित कारी समिति की संस्थापक हैं। यह संस्था पिछले कई वर्षों से छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी महिलाओं के उत्थान के लिए जानी जाती हैं।

पद्मश्री फुलबासन बाई यादव जी से मिली सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना की टीम

आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर समापन समारोह

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत साधना स्थली झिंझौली, सोनीपत में चल रहे 20 दिवसीय आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर का भव्य समापन मुख्य अतिथि माननीय संबित पात्रा जी (राष्ट्रीय प्रवक्ता बीजेपी) और विशिष्ट अतिथि श्री संदीप सिंह जी (खेल मंत्री-हरियाणा) तथा सूर्या फाउण्डेशन के वाइस चेयरमैन श्री मुकेश त्रिपाठी एवं हेमंत शर्मा जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह शिविर 23 मार्च से 10 अप्रैल 2022 तक किया गया। इन 20 दिनों में प्रशिक्षण के लिए 8 राज्यों (राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, और हरियाणा) से आये 46 शिविरार्थियों को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के गुर सिखाए गए।

श्री वेद जी (वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन) ने महान दार्शनिक सुकरात की कहानी के माध्यम से यह बताया कि ट्रेनिंग का महत्व क्या है? जीवन के अंतिम क्षणों तक कैसे कुछ न कुछ सीखा जा सकता है? आदर्श कार्यकर्ता कैसा हो? समाज में कार्य करते समय रखी जाने वाली सावधानियां आदि विषयों पर श्री रासबिहारी जी (केन्द्रीय मंत्री - विद्या भारती) ने शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इन 20 दिनों में सुलेख, पत्र-लेखन, स्वस्थ रहने के

उपाय, टाइम मैनेजमेंट, आदर्श शिक्षक, खेल-खेल में पढ़ाने के तरीके आदि विषयों पर बौद्धिक सत्र कराये गये। साथ ही मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए ध्यान, प्राणायाम एवं प्रार्थना आदि सिखाया गया। शारीरिक विकास के लिए खेलकूद, योगासन, प्राणायाम आदि का प्रशिक्षण दिया गया। हम एलोपैथिक दवा के बिना कैसे स्वस्थ रह सकते हैं? इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा एवं उपवास पद्धति

: सूर्या साधना स्थली झिझौली, सोनीपत (आश्रम)

के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रकार से युवाओं का सर्वांगीण विकास आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर में किया गया। समापन में मुख्य अतिथि मा. संबित पात्रा जी ने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सामाजिक कार्य करने वालों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जो 20 दिन आप सब ने तपस्या की है वह जीवन भर आपके काम आने वाली हैं, इसके लिए आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

इतने कम समय में कराटे, योग, डांडिया, मास पी.टी. आदि का उत्तम प्रशिक्षण देने पर उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया।

विशिष्ट अतिथि श्री संदीप सिंह जी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास होता है, जरूरत होती है तो उसे जागने की। इसके माध्यम से समाज में आप परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस प्रकार मैं एक छोटे से गाँव से निकलकर और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ा, परिवार के लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। क्या करेगा? खेल मे क्या रखा है? आदि सुनना पड़ा। फिर भी अपने लक्ष्य को पाने के लिए मैंने निरंतर प्रयास किया और सफल भी रहा।

लोग आपके संघर्ष को महत्त्व नहीं देते हैं। किंतु जब आप सफल हो जाते हैं, तो वही आपको अपने सर आँखों पर बैठाते हैं, आप का सम्मान करते हैं। मुझे आप जैसे युवाओं के बीच आकर अच्छा लगा। आ. श्री जयप्रकाश जी एवं सूर्या परिवार के सभी सदस्यों को मेरी ओर से शुभकामनाएं। समपान में कैप्टन वी. के गुरुंग, श्री प्रमोद आसरे जी, कामेश्वर जी, भरतराज जी, गौतम जी, भंवरसिंह जी, हिमांशू जी, गजानन जी, शत्रुहन जी, वीरेन्द्र जी, रमेश जी, अरविंद तिवारी जी सहित 200 दर्शक उपस्थित रहे।

मिनी पीडीसी समापन की झलकियाँ

गर्मी से बचने के उपाय

- दिन में खूब पानी पीयें, लेकिन भोजन के साथ व तुरन्त बाद नहीं। एक घण्टे बाद पानी पीयें।
- सुबह उठते ही एक लीटर पानी (उषापान) जरुर पीयें।
- लू के समय सिर और कान ढककर रखें।
- दोपहर के भोजन के साथ मट्ठा (छाछ) भी गर्मी कम करता है।
- मिर्च-मसाले और नमक की मात्रा भोजन में कम से कम हो। तले-भुने भोजन से बचें।
- गर्मी में दिन में भोजन कम करें। हरे पुदीने की चटनी लू से बचाती है।
- सुबह-शाम ठण्डे पानी से नहाना चाहिए। ज्यादा गर्मी में दिन में दो बार ठण्डे पानी से नहा सकते हैं।
- आँखों को जलन से बचाने के लिए तीन बार ठण्डे पानी की छपकी आँखों पर दें।
- तरबूज / खरबूज खाने से गर्मी कम लगेगी। गर्मी में ये अमृत है।
- अंकुरित खाने से ताकत मिलती है साथ ही गर्मी भी कम लगती है। अंकुरित थोड़ा-थोड़ा दोनों समय लें।
- आम का पना, नींबू पानी, चने/जौ का सत्तू, बेल का शर्बत शरीर को गर्मी से बचाता है।
- कच्चा सलाद गर्मी को घटाता है। इसलिए दिन में व सायं दोनों समय भोजन के साथ सलाद जैसे-ककड़ी, खीरा, चुकन्दर, टमाटर, धनिया, पत्तागोभी, पालक के कच्चे पत्ते आदि लेना अच्छा है।
- हल्के कपड़े पहनें। सूती कपड़े में गर्मी कम लगती है।

सम्पर्क - कार्य का प्राण

संपर्क कार्य के लिए प्राचीन में तीर्थयात्रा के साथ-साथ ऋषि-मुनियों जैसे- शंकराचार्य, समर्थ रामदास ने मठों की स्थापना की। संपर्क मानव समाज का अंग है। हमें अकेला नहीं रहना चाहिए, समाज से जुड़ना चाहिए। समाज/स्थान का इतिहास भूगोल भाषा स्वभाव विशेष, अच्छाई और कमियों को समझने हेतु संपर्क आवश्यक है। आज इंटरनेट, स्मार्टफोन के कारण लोग घरों में ही रहते हैं, एकांत रहते हैं, उनको संपर्क से जोड़ना है।

आवश्यकता और सुविधानुसार कार्यकर्ताओं को संपर्क करना चाहिए। हमें किसी वर्ग शिविर, कार्यक्रम के पूर्व और पश्चात किसी अभियान के समय, लोगों के सुख-दुख के प्रसंग में संपर्क कार्य करना चाहिए। संपर्क का क्षेत्र वैसे तो सर्वत्र है जैसे-घर, कार्यालय, रास्ता, बस स्टॉप, कार्यक्रम आदि।

संपर्क किससे करना- विद्यालय, महाविद्यालय, छात्रावास, कोचिंग सेंटर, युवा क्लब, ज्येष्ठ नागरिक यहाँ तक की कार्यालय के दरवान से लेकर सर्वोच्च अधिकारी तक। इसी तरह घर में बच्चों से लेकर बड़ों तक उनके रिश्तेदार, पड़ोसी से भी दोस्ती हो। हमारा संपर्क क्षेत्र हरेक व्यवसाय/कार्य क्षेत्र के कम से कम 3 व्यक्तियों जैसे- शिक्षक, चिकित्सक दुकानदार, बैंक अधिकारी, पोस्ट ऑफिस, थाना अधिकारी, डीसी, डीडीसी, एसपी एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति, मीडिया के लोगों से हमारा प्रत्यक्ष संपर्क हो। अपने संगठन के प्रांत विभाग एवं मुख्यालय के अधिकारी से नियमित संपर्क करना चाहिए, इसी तरह समाज के अन्य सेवा संस्थाओं एवं धार्मिक संगठन, मठों से संपर्क बराबर करना चाहिए।

संपर्क कैसे करना- अपनी बात तभी उठाएँ, जब सामने वाला सुनने की तैयारी में हो। दूसरों की बातों को सुनने की स्वयं की क्षमता हो। अपने संपर्क के उद्देश्य को न भूले। सजग, सतर्क रहें। कहां, किससे, कैसे और कब बात करें, इसका ध्यान रखें। किसी भी बात पर प्रतिक्रिया विवाद न हो बल्कि साकारात्मक संवाद करना। अपने व्यवहार से लोगों का विश्वास जीतना। प्रत्येक संपर्क में वैचारिक भावनात्मक स्तर पर नया विचार देने का प्रयास हो। जिनसे संपर्क करने जा रहे हैं वहाँ के स्थानीय कार्यकर्ता भी साथ हो।

संपर्क का मन्त्र कार्य ध्येय, विषय स्पष्ट हो, अपने विचार और व्यवहार में परिपक्वता हो। **मुँह में शक्कर, पैरों में चक्कर, सिर पर बरफ मन में ध्येय की ज्योत हो।** परनिंदा, गलत बातों की आदत अपने पास न रखें। दु:ख अपमान सहन करने की शक्ति भी रहे। अपने वेष-केश भूषा स्वभावों का ध्यान रखें। निर्भीक कुशलमोहक रहें। विचार, वाचा, कर्म में एकरुपता रहे। अपने साथ आवश्यक साहित्य साथ रखें।

सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा।

बोधकथायें...

सलाह नहीं, साथ दो

एक बार एक पक्षी समुद्र से बार-बार पानी बाहर निकाल रहा था। समुद्र में जाता, चोंच में पानी भरता और बाहर जाकर निकाल आता। पास में बैठा पक्षी काफी देर से यह दृश्य देख रहा था, उसने उस पक्षी से आकर पूछा-यह आप क्या कर रहे हो?

वह पहले वाला पक्षी जवाब देता है कि इस समुद्र ने मेरे बच्चे को निगल लिया है, अब मैं इसे सुखा कर रहूँगा और अपने बच्चों को इससे लेकर ही रहूँगा।

तभी दूसरा पक्षी कहता है कि तुम इसे कैसे सुखा पाओगे? यह तुम्हारे वश की बात नहीं है। तुम तो बहुत छोटे हो और यह समुद्र तो विशाल है। इस कार्य में तुम्हारा पूरा जीवन खत्म हो जाएगा।

तब पहले वाला पक्षी कहता है- देना है तो साथ दो, सलाह देने की मुझे आवश्यकता नहीं है। यह बात सुनते ही वह दूसरा पक्षी भी उसके साथ में लग जाता है। ऐसा करते-करते उसके साथ सौ, हजार, लाखों पक्षी आ जाते हैं

इसकी चर्चा पूरे ब्रह्मांड में फैल जाती है। ऐसा सुनते ही भगवान विष्णु जी का वाहन पक्षीराज गरूड़ जी भी इस कार्य के लिए चल पड़ते हैं।

तभी विष्णु भगवान कहते हैं कि गरूड़! तुम कहां जा रहे हो, अगर तुम चले जाओगे तो मेरा सब कार्य रूक जायेगा और कहाँ इन पक्षियों से यह समुद्र सूखने वाला है।

तुम क्यों इनके झमेले में पड़ते हो। यह सुनकर गरुड़ पक्षी बोला-भगवन् देना है तो साथ दें, सलाह देने की आवश्यकता नहीं है। विष्णु भगवान यह सुनकार साथ देने गरूड़ पक्षी के साथ चल देते हैं। यह सब कुछ देखकर समुद्र डर जाता है और उस पक्षी को उसके बच्चे लौटा देता है।

हमें भी हर संकट और दु:ख की घड़ी में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। सफलता दूसरों के सलाह पर नहीं मिलती है।

दो अनमोल हीरे

एक सौदागर और ऊँट बेचने वाले के बीच काफी लंबी सौदेबाजी हुई। आखिर में सौदागर ऊँट खरीदकर घर लाया। घर पहुँचकर सौदागर नौकर को उस ऊँट की काठी निकालने के लिए बुलाया। काठी के नीचे नौकर को एक छोटी सी थैली मिली, जिसमें कीमती, हीरे जवाहरात थे। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊँट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ मुफ्त में क्या मिला।

सौदागर भी हैरान, नौकर के हाथों में हीरे देखे जो कि सूरज की रोशनी में और भी टिमटिमा रहे थे। सौदागर बोला, मैंने ऊँट खरीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे फौरन वापस करना चाहिए।

नौकर सोच रहा था कि मेरा मालिक कितना बेवकूफ है! बोला, मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, सौदागर ने एक न सुनी और वह फौरन बाजार पहुँचा और दुकानदार को थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत खुश हुआ, बोला, मैं भूल ही गया था कि अपने कीमती पत्थर मैंने कहाँ छुपा दिए थे। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। सौदागर बोला, मैंने केवल ऊँट की कीमत चुकाई है। इसलिए मुझे किसी और ईनाम की जरूरत नहीं है। सौदागर जितना मना करता, ऊंट बेचने वाला उतना ही जोर दे रहा था।

आखिर में सौदागर ने मुस्कुराते हुए कहा असलियत में जब मैंने थैली वापस लाने का फैसला किया तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामे के बाद ऊँट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को फौरन खाली कर लिया। और बोला, मेरे सारे हीरे तो हैं, वो दो कौन से थे जो आपने रख लिए?

सौदागर बोला, ईमानदारी और खुद्दारी, हमें अपने अन्दर झांकना होगा कि हम में से किस-किस के पास यह 2 हीरे है। जिन जिन के पास यह 2 हीरे है वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति है।

समाचार पत्रों में आदर्श गाँव योजना की गतिविधियां

झिंझौली में चलाये जा रहे 20 दिवसीय कार्यक्रम का समापन

सूर्या देशभक्ति पैदा करने का अनूठा संगठनः पात्रा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

झिंझौली में सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे 20 दिवसीय वर्ग कार्यक्रम का समापन हो गया। गत 22 मार्च से चल रहे इस वर्ग के समापन समारोह में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा, हरियाणा सरकार में खेल मंत्री सन्दीप सिंह व भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधायक मोहन लाल बडौली ने शिरकत की। बतौर मुख्य वक्ता संबित पात्रा ने सूर्या फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते कहा कि आश्चर्य है कि सूर्या

प्रतिभावान युवाओं को सम्मानित करते संबित पात्रा व खेल मंत्री संदीप सिंह।

इतने कम समय में युवाओं को जुडो कराटे, योग,आसन, सूर्या नमस्कार ,प्राकृतिक चिकित्सा तथा डांडिया जैसे अनेक विषयों में पारंगत किया है, यह अपने आप में अद्भुत है। सूर्या फाउंडेशन युवाओं में देश

संगठन है। संगठन द्वारा लगातार शिविर आदि लगा कर संस्कार व देश भक्ति का पाठ पढ़ाया जाता है। देश के विभिन्न प्रदेशों से आए युवक जो शिविरों के माध्यम से सीख कर जाते हैं। वे उन्हें अपने क्षेत्र

ये रहे उपस्थित

युवाओं ने अपने शारिरिक व बौद्धिक कार्यक्रम पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन फाउंडेशन के ट्रेनिंग चीफ गौतम नायक ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विशिष्ट स्थान पाने वाले प्रशिक्षार्थियों को शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सूर्या फाउंडेशन के प्रमोद आस्टे, हिमांशु, राजेन्द्र, जयदीप लोकेंद्र राणा सतुल्ल, सतत टंडन, अजय कर्दम, हेमन्त शर्मा के साथ साथ क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

भावना जागृत करने का काम करते हैं। ऐसे संगठन से जुड़ कर युवाओं को लाभ उठाना चाहिए। समय-समय पर संगठन द्वारा समाज के हित में विभिन्न कार्य किए जाते रहे हैं। जिसका लोगों को लाभ मिल रहा

खेल मंत्री सन्दीप ने कहा कि जब कोई कठिनाइयों में परिश्रम करता है, उस समय उसके परिश्रम को कोई याद नहीं करता है। परंतु जब सफलता के शिखर पर होता है। उस समय उसी को सभी लोग सर आंखों

सूर्या फाउंडेशन के 10 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर का शुभारंभ

न्यूज प्रिंट संवाददाता

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया।

मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश ने बताया कि आज के बच्चे कल का भारत हैं। इस शिविर के माध्यम से बच्चे अपने व्यक्तित्व विकास को निखार कर अच्छे चरित्र को अपने जीवन में धारण करेंगे। क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष सूर्या फाउंडेशन

शिविर लगा रही है जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। व्यक्तित्व विकास शिविर में भैया, बहनों को

जाएगा। इस अवसर पर आदर्श ग्राम प्रमुख भरत शाह, सूर्या संस्कार केंद्र के शिक्षक सचिन, सूर्या यूथ

ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಪರಿಶ್ರಮವೊಂದೇ ಉತ್ತಮ ಮಾರ್ಗ: ಸಿಪಿಐ ಶ್ರೀಕಾಂತ

ಬೀದರ:ಎ.5:ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರಿಗೂ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸುಗಳಿಸಬೇಕು ಎಂಬ ಆಸೆ ಇದ್ದೇ ಇರುತ್ತದೆ. ಯಶಸ್ಸು ಗಳಿಸಲು ಬಹಳಷ್ಟು ಮಾರ್ಗಗಳಿವೆ, ನಿರಂತರ ಪರಿಶ್ರಮ, ಸಾಧನೆಗೆ ತಳಹದಿ ಆಗ ಯಶಸ್ಸು ಕಟ್ಟಿಟ್ಟಬುತ್ತಿ, ಸಾಧನೆಯ ಉತ್ತುಂಗಕ್ಕೇರಿದವರ, ಮಹಾನ್ ಸಾಧಕರ ಜೀವನವನ್ನು, ಅವರ ಯಶೋಗಾಥೆಯನ್ನು ಅವಲೋಕಿಸಿದರೆ ಯಶಸ್ಸಿನ ಗುಟ್ಟು ನಮಗೆ ಅರಿವಾಗುತ್ತದೆ ಎಂದು ಬೀದರ ಗ್ರಾಮೀಣದ ಸಿಪಿಐ ಶ್ರೀಕಾಂತ ಅಲ್ಲಾಪುರೆ ಹೇಳಿದರು

ತಾಲೂಕಿನ ಆಣದೂರ ಗ್ರಾಮದ ಭವಾನಿ ಮಂದಿರದ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಸೂರ್ಯ ಫೌಂಡೇಶನ್, ಮಾತೃಭೂಮಿ ಸೇವಾ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾನ ಹಾಗೂ ಗ್ರಾಮ ಗ್ರಾಮ ವಿಕಾಸ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ದತ್ತಿ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾನದ ವತಿಯಿಂದ ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡ ಬೇಸಿಗೆ ಶಿಬಿರ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದರು.

ಇಂದಿನ ಮಕ್ಕಳು ರಜೆಯನ್ನು ಮಜಾವನ್ನಾಗಿ ಕೇವಲ ಮೋಬೈಲ್ ಶಿಬಿರವು ನಡೆಯುತ್ತಿರಬೇಕು ಈ ತರಹದ ಶಿಬಿರಗಳು ಎಲ್ಲಾ ಕಡೆ ನಡೆಯಬೇಕು ಇದು ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಬಹಳ ಲಾಭದಾಯಕವಾದದ್ದು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಪ್ರಾಸ್ತಾವಿಕವಾಗಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಮುಖರಾದ ಗುರುನಾಥ ರಾಜಗೀರಾ, ಬೇಸಿಗೆ ಶಿಬಿರ ಜಿಲ್ಲೆಯ ವಿವಿಧ ಹಳ್ಳಿಗಳಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿವೆ, ಮಕ್ಕಳ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಗುಣಮಟ್ಟ ಸುಧಾರಣೆಗಾಗಿ ವಿವಿಧ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ನಡೆಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ಪ್ರಯುಕ್ತ ಆಣದೂರ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಶಾಲೆಯ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿದಿನ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಹಾಡು, ನೃತ್ಯ, ಭಾರತೀಯ ಕ್ರೀಡೆ, ಚಿತ್ರಕಲೆ, ಕಥೆಗಳನ್ನು ಕಲಿಸಿಕೊಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಯಾಗಿ ಆಣದೂರ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ರೆಡ್ಡಿಯವರು ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಬೇಸಿಗೆ ಶಿಬಿರ ಆಣದೂರ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿರುವುದು ಉತ್ತಮ ಕಾರ್ಯ. ಮಕ್ಕಳೆಲ್ಲರು ಇದರ ಶಿಬಿರದಲ್ಲಿ ಸಕ್ರಿಯರಾಗಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಥಮ ಹಾಗೂ ದ್ವಿತೀಯ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಶಿಬಿರಾರ್ಥಿಗೆ ವೈಯಕ್ತಿಕವಾಗಿ ಬಹುಮಾನ ಕೊಡಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಗ್ರಾಮ ವಿಕಾಸ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ದತ್ತಿ ಪ್ರತಿಷ್ಠಾನದ ಬಸವರಾಜ ಬಶೆಟ್ಟಿ ಅವರು ಮಾತನಾಡಿ ಬೇಸಿಗೆ ಶಿಬಿರದಲ್ಲಿ ಮಕ್ಕಳ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವ ವಿಕಸನವಾಗುವ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ ತಯಾರಿಸಿ ಕಲಿಸಿಕೊಡುತ್ತೇವೆ ಮತ್ತು ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿ ಶಿಸ್ತು, ದೇಶಭಕ್ತಿಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಒತ್ತು ಕೊಟ್ಟು ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರತಿಭೆಯನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ ಅದಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತ ವೇದಿಕೆ ಕಲ್ಪಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮ ವಿಕಾಸ ಟ್ರಸ್ಟ್ ಸಂಸ್ಥಾಪಕ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಭದ್ರಪ್ಪ ಬಶೆಟ್ಟಿ, ಗ್ರಾಪಂ ಸದಸ್ಯರಾದ ಶಾಂತಕುಮಾರ ಬಶೆಟ್ಟಿ, ಮುಖಂಡರಾದ ಅಶೋಕರೆಡ್ಡಿ ಚಿದ್ರಿ, ಬಾಬುರಾವ ತಡಗೂರೆ, ಚೇತನ ಸೋರಳ್ಳಿ,

ढढोरपुर, नरसड़ा व विट्ठलपुर में सूर्या फाउंडेशन ने किया विकास शिविर का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

वाराणसी। जिले के ढढोरपुर, नरसड़ा व विट्ठलपुर गांव में सूर्या फाउंडेशन के द्वारा आयोजित १० दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन किया गया। विट्ठलपुर गांव में सूर्या फाउंडेशन के [illegible] सत्येंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन के द्वारा गांवों की बस्तियों में बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए सूर्या फाउंडेशन उनके शारीरिक व बौद्धिक विकास के लिए महापुरुषों की कहानियां तथा क्विज कंपटीशन व भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता तथा खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों का शारीरिक तथा बौद्धिक विकास करता है। कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन [illegible] भैया ने किया। ढढोरपुर में सेवाभावी रोहित विश्वकर्मा तथा शिक्षक महेश विश्वकर्मा ने बच्चों को लघु व्यक्तित्व विकास शिविर के बारे में जानकारी दी। नरसड़ा गांव में सेवाभावी अरुण पटेल तथा शिक्षक ओमप्रकाश पटेल ने लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन मां सरस्वती की वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर किया।

कड़ी मेहनत करके हमारे छोटे छोटे लक्ष्य बड़ी सफलता प्राप्त करवाते हैः सुनील जांगड़ा

पल पल न्यूज: बहादुरगढ़, 11 अप्रैल (प्रमोद शर्मा)। शहर के पटेल नगर में सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के तहत व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता ठेकेदार सुनील जांगड़ा ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को खाने-पीने की चीजें, कॉपी-किताबें स्टेशनरी भेंट की। सूर्या फाउंडेशन व्यक्तित्व विकास शिविर में विद्यार्थियों को संस्कार, संस्कृति, समरसता, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वालम्बन, नैतिकता आदि के बारे में निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। भाजपा नेता सुनील जांगड़ा व फाउंडेशन पदाधिकारियों ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया।

भाजपा नेता सुनील जांगड़ा ने विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति का लक्ष्य निर्धारित होता है तो लक्ष्य आसानी से प्राप्त होता है। टारगेट तय कर लेने से उसकी प्राप्ति के लिए जिम्मेदारी का भाव भी जागता है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्य बड़ी सफलता प्राप्त करवाते है हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए। सुनील जांगड़ा ने कहा कि सरकार भी बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ के तहत सराहनीय कार्य कर रही है। आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है। अध्यापक विनोद शर्मा, कमल कुमार ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन 5 आयाम पर कार्य कर रही है। शिक्षा-गरीब, असहाय बच्चों को शिक्षा देने का काम किया जाता है। स्वास्थ्य शिविर में बच्चों को बीमारियों से मुक्त कराने के लिए उसके लिए निशुल्क शिविर लगाया जाता है। संस्कार-गांव में बच्चों को पढ़ाई के माध्यम से संस्कार दिए जाते है जैसे-माता पिता की सेवा करना, नशे से दूर रहना, समयानुसार कार्य करना आदि के बारे में जागरूक किया जाता है। समरसता-बच्चों को रन फॉर यूनिटी, सहभोज, ग्राम गौरव मेले का आयोजन करके ज्ञान दिया जाता है। स्वावलंबन-बच्चों को स्वयं सहायता समूह, हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, सिलाई केन्द, सरकारी योजनाओं, कृषि सम्मेलन के बारे मे जागरूक किया जाता है। इस अवसर पर सूर्य रोशनी कम्पनी प्रधान ठेकेदार सुनील सैनी, रोहताश मलिक, नवीन कुमार, विनोद शर्मा, कमल कुमार, रमेश दहिया आदि मौजूद रहे।